मास्को में राष्ट्रपति पुतिन द्वारा आयोजित प्रीतिभोज के अवसर पर प्रधानमंत्री का भाषण

दिनांक 6 दिसम्बर, 2005
मास्को

आपने जिस गर्मजोशी से हमारा स्वागत किया है और सच्चे दोस्ताना संबंधों के बारे में जो भावनाएं व्यक्त की हैं, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं और मेरी धर्मपत्नी यहां आकर वाकई बहुत खुश हैं और अपने आपको बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। रूस के प्रथम जोड़े ने जिस गर्मजोशी से हमारी मेहमानवाजी की है और जो हार्दिक स्नेह हमें दिया है, वह हमारे लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है। स्नेही मित्रों के बीच होना हमेशा ही सुखद अहसास दिलाता है। राष्ट्रपति जी, हम भी आपके प्रति वही सद्भावनाएं रखते हैं जो आज आपने यहां व्यक्त की हैं। हम भारतीय लोग आपकी मित्रता को बहुत महत्व देते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

पचास वर्ष पहले हमारे प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू ने इस महान शहर की यात्रा की थी और स्थायी मित्रता की नींव रखी थी— एक ऐसी मित्रता जो आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित थी। आज इसी नींव पर मित्रता की एक विशाल इमारत खड़ी है। आज हमारे बीच कहीं अधिक मजबूत संबंध हैं। इस इमारत को मजबूत बनाने में हम आपके दूरदर्शितापूर्ण तथा समर्पित नेतृत्व की सराहना करते हैं। इस मित्रता को ताजगी और स्फूर्ति प्रदान करने तथा उसमें प्रगाढ़ता लाने में आपने जो व्यक्तिगत रूचि ली है, उसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। मुझे यकीन है कि जैसे-जैसे हम आगे कदम बढ़ाएंगे हमें अपने प्रयासों में और अधिक सहयोग देखने को मिलेगा। मुझे यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है कि हमारे दो महान राष्ट्रों के बीच परस्पर संपर्क इतना अधिक स्पष्ट और जीवंत कभी नहीं रहा है जितना कि आज है।

यह याद करने का उचित मौका है कि भारत के पूरी तरह से एक विकसित औद्योगिक आधार वाले देश के रूप में उभरने में रूस से हमें महत्वपूर्ण सहायता मिली है। हमारे राष्ट्रीय प्रयासों का ऐसा कोई महत्वपूर्ण क्षेत्र नहीं है जिसमें हम रूस से लाभान्वित न हुए हों।

पहले की तरह आज भी रूस हमारा एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार है। हमारे संबंध वर्तमान जरूरतों के अनुरूप सफलतापूर्वक और लाभप्रद ढंग से विकसित हुए हैं। लेकिन भागीदारी में हम मिलकर जो कुछ करेंगे वह परस्पर लाभ हेतु सहयोग करने की

हमारी चली आ रही परम्परा पर आधारित होगा। हमारे रणनीतिक संबंध दोनों देशों की राजनीतिक आम सहमति पर आधारित हैं। दोनों देशों में हुए ऐतिहासिक परिवर्तनों के बावजूद हमारी भागीदारी का महत्व बिलकुल भी कम नहीं हुआ है। हमारे सहयोग के अनेक क्षेत्रों का विस्तार हुआ है। हमारे लोगों की मित्रता रूसी लोगों की सहनशीलता की द्योतक है।

हमें अपने-अपने समाजों के बहु-सांस्कृतिक और विविधतापूर्ण स्वरूप से शक्ति मिलती है। इन मूल्यों और आदर्शों से हमें एक दूसरे की चिन्ताओं और आकांक्षाओं को समझने का मौका मिलता है तथा सामूहिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बहुस्तरीय मंचों पर एकजुट होकर काम करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। हम बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए अपना समर्थन देने और अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खतरे को जड़ से मिटाने के अपने संकल्प के प्रति एकजुट हैं।

हमारी आर्थिक खुशहाली और परस्पर हित इस बात पर निर्भर करते हैं कि हम व्यापार, निवेश, संयुक्त अनुसंधान तथा विकास में और अधिक भागीदारी करें और वैश्वीकृत जगत जिसमें राष्ट्र एक-दूसरे के अधिक निकट आते जा रहे हैं, के समक्ष उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाएं। विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों की तरह ही ऊर्जा सुरक्षा भावी सहयोग के लिए एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है।

मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में हमारा सहयोग हमारे द्विपक्षीय संबंधों के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी जो हमारे परम्परागत मैत्री संबंधों को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप मेरे साथ मिलकरः

-रूसी संघ के महामहिम राष्ट्रपति और प्रथम महिला के अच्छे स्वास्थ्य और कुशलता;

-भारत और रूस के बीच बहुआयामी सहयोग को और मजबूत करने; तथा

-हमारे दोनों देशों और लोगों के बीच चिरस्थाई मित्रता के लिए कामना करें।

....